नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. देवताओं का स्वरूप निर्धारण कीजिए ।
2. शाखा का अर्थ स्पष्ट करते हुए ऋग्वेद की शाखाओं पर प्रकाश डालिए ।
3. यजुर्वेद के वर्ण्य–विषय पर प्रकाश डालिए ।
4. वाजसनेयी संहिता का परिचय दीजिए ।
5. शतपथ–ब्राह्मण की प्राचीनता पर प्रकाश डालते हुए उसके महत्त्व पर अपना अभिमत दीजिए ।
6. अरण्यक साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।
7. उपनिषद् साहित्य की विषय सामग्री का निरूपण कीजिए ।
8. 'व्याकरण' नामक वेदांग का परिचय दीजिए ।
9. सूत्र साहित्य पर निबंध लिखिए ।
10. महाभारत का पर्वानुसार परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2020
M.A. Sanskrit, Part-I

Date	Papers	Time	Examination Centre
05.04.2021	Paper–I	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
07.04.2021	Paper–II	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
09.04.2021	Paper–III	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
12.04.2021	Paper–IV	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
15.04.2021	Paper–V	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
17.04.2021	Paper–VI	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
22.04.2021	Paper–VII	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003
26.04.2021	Paper–VIII	2.30 PM to 5.30 PM	Sir G. D. Patliputra S. S. School, Jagat Narayan Road, KadamKuan, Patna-800003

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'भारवेरर्थ गौरवम्' अथवा 'माघेसन्ति त्रयो गुणाः' का विवेचन कीजिए ।
2. गीति काव्य परम्परा में 'मेघदूत' का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।
3. गद्य काव्य की उत्पत्ति तथा विकास पर प्रकाश डालिए ।
4. लोक–कथा का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
5. पंचतंत्र की विश्व व्यापकता पर प्रकाश डालिए ।
6. मुद्राराक्षस की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
7. महाकवि कालिदास के श्रृंगार वर्णन की समीक्षा कीजिए ।
8. आधुनिक संस्कृत साहित्य में पत्र–पत्रिकाओं का महत्त्व निरूपित कीजिए ।
9. कथा एवं आख्यायिका के साम्य–वैषम्य पर विचार करते हुए कादम्बरी की विधा निरूपित कीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) मेघदूत
    (ख) महामहोपाध्याय रामावतार शर्मा

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान तथा लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषा विज्ञान के लिए प्रयुक्त अन्य नामों में आप किसे उचित मानते हैं और क्यों ? उत्तर दीजिए ।
2. भाषा और विभाषा के अन्तर का सम्यक् निरूपण कीजिए ।
3. प्रश्लिष्ट योगात्मक भाषा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । आकृतिमूलक वर्गीकरण की क्या उपयोगिता है ?
4. पारिवारिक वर्गीकरण के आधारों का विवेचन कीजिए ।
5. ध्वनि नियम से आप क्या समझते हैं ? विभिन्न भाषाओं की ध्वनि व्यवस्था के विषय में जानकारी दीजिए ।
6. अवेस्ता और वैदिक संस्कृत की विषमताओं का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
7. साहित्यिक प्राकृतों की ध्वन्यात्मक विशेषताओं का परिचय दीजिए ।
8. स्वरों का वर्गीकरण कीजिए ।
9. अर्थ परिवर्तन के कारणों का विवेचन कीजिए ।
10. नागरी लिपि की विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृति)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–क (भारतीय दर्शन)

1. भारतीय दर्शन–सम्प्रदायों की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
2. बौद्ध और जैन दर्शन का निरूपण संक्षेप में कीजिए ।
3. चार्वाकों की आधार–मीमांसा का निरूपण कीजिए । क्या यह स्वीकार्य है ? अपना मत दीजिए ।
4. यमों का परिचय देते हुए योग के आधुनिक महत्त्व को समझाइए ।
5. वेदान्त दर्शन में जीव सम्बंधी धारणा को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड–ख (भारतीय संस्कृति)

6. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।
7. उत्तर वैदिक युग में विज्ञान की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।
8. संयुक्त परिवार की विशेषताएँ बताते हुए अतिथि–सत्कार के महत्त्व का वर्णन कीजिए ।
9. वर्णों के गुण–कर्म का वर्णन कीजिए ।
10. दान की महिमा का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पालि के वंश साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. पालि अभिलेखों का परिचय दीजिए ।
3. अर्ध मागधी के महत्त्व का विवेचन कीजिए ।
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण पर विचार कीजिए ।
5. भक्ति साहित्य की विशेषताओं पर विचार कीजिए ।
6. द्विवेदी युग के दो प्रमुख रचनाकारों का परिचय दीजिए ।
7. कृत्ति वास रामायण का परिचय दीजिए ।
8. मराठी नाट्य साहित्य पर प्रकाश डालिए ।
9. तमिल साहित्य में भक्ति युग का परिचय दीजिए ।
10. तेलुगु के राम–काव्य का परिचय दीजिए ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (i) अधिकारसूत्र (ii) प्रत्याहार संज्ञक विधायक सूत्र
   (iii) विधिसूत्र (iv) वार्तिक
   (v) माहेश्वर सूत्र (vi) भाष्य
2. प्रयत्न किसे कहते हैं ? इनके भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
3. व्यंजन सन्धि किसे कहते हैं । व्यंजन संधि विषयक किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) ससजुषोरूः (ii) आद्गुणः
   (iii) अतो रोरप्लुतादप्लुते (iv) एङि पररूपम्
   (v) रोरि (vi) इको यणचि
5. सूत्रनिर्देश पूर्वक किन्हीं ***चार*** की रूपसिद्धि कीजिए :–
   (i) नायकः (ii) सम्राट्
   (iii) देवा इह (iv) गवाग्रम
   (v) सुद्ध्युपास्यः (vi) विष्णूदयः
6. कारक किसे कहते हैं ? उनके नाम और विभक्ति का उल्लेख करते हुये पंचमी विभक्ति विषयक पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।
7. निम्नलिखत में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) यतश्च निर्धारणम् (ii) उक्ते कर्मणि प्रथमा
   (iii) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः (iv) स्पृहेरीप्सितः
   (v) कर्तृकर्मणो कृतिः (vi) अकथितं च
8. तत्पुरूष समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
9. अधोलिखित किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (i) चार्थे द्वन्द्वः (ii) अन्यपदार्थ प्रधानो बहुब्रीहि
   (iii) आङ्मर्यादाभिविध्योः (iv) पूर्वपदप्रधानोऽव्ययीभावः
   (v) येषां च विरोधः शाश्वतिकः (vi) तेन सहेति तुल्ययोगे वोत्सर्जनस्य
10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदों की समास विग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
    (i) पाणिपादम् (ii) दम्पती
    (iii) अधिगोपम् (iv) जितेन्द्रियः
    (v) चन्द्रशेखरः (vi) प्रतिदिनम्

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'–इस काव्य लक्षण की विवेचना कीजिए ।
2. महाकाव्य का लक्षण निरूपण कीजिए ।
3. दृश्य काव्य के भेदोपभेद का परिचय दीजिए ।
4. शब्द शक्ति किसे कहते हैं ? उसके भेदों का परिचय दीजिए ।
5. चित्रकाव्य के सम्बन्ध में आचार्यों के विचार का मूल्यांकन कीजिए ।
6. ध्वनि काव्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
7. काव्य दोष को परिभाषित करते हुए उसके प्रमुख भेदों का उल्लेख कीजिए ।
8. साधारणीकरण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रसानुभूति में उसकी भूमिका पर विचार कीजिए ।
9. औचित्य को काव्य का प्राण मानना कहाँ तक उचित है ? युक्तिपूर्ण उत्तर दीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए :–
    (क) अनुप्रास
    (ख) यमक
    (ग) विभावना
    (घ) विशेषोक्ति

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I पत्र-VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी ***एक*** विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) संगणकः (ख) अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवसः (ग) संस्कृत भाषायाः महत्त्वं

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (i) छात्रों को आदेश देकर गुरु पुस्तकालय में चले गए ।
   (ii) रीता नाचने में कुशल है ।
   (iii) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती है ।
   (iv) संजय और मनोज प्रमोद के साथ खेलते हैं ।
   (v) मैंने दो महीने में संस्कृत पढ़ लिया ।
   (vi) संस्कृत भाषा बहुत मधुर एवं पुरानी है ।
   (vii) महाराज दशरथ की तीन रानियाँ थीं ।
   (viii) भारत के उत्तर में पर्वतों का राजा हिमालय है ।
   (ix) बालकों को मिठाई अच्छी लगती है ।
   (x) हमें अपना कर्त्तव्य पालन करना चाहिए ।
   (xi) यदि वह पढ़ता तो विद्वान होता ।
   (xii) गुरु की सेवा करने वाला छात्र ज्ञान प्राप्त करता है ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   परितः, विद्यालयात्, श्वः, पठित्वा, गच्छन्, नमः, सार्धम्, निकषा, अवश्यम्, कर्तुम्, उत्थाय, विद्वान्

4. पूछे गये प्रश्नों के उत्तर निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दीजिए :–
   एकस्मिन् नगरे चत्वारः ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रभावेन वसन्ति स्म । तेषां त्रयः शास्त्रपारंगता परन्तु बुद्धिविहीनाः आसन् । एकस्तु बुद्धिमान् परं शास्त्र–पराङ्मुखः आसीत् । तस्य नाम सुबुद्धिः आसीत् । अथ कदाचित् तैः मन्त्रितम्–को गुणो विद्यायाः यदि देशान्तरं गत्वा धनोपार्जनम् न क्रियते । ततः ते पूर्वदेशं प्रति प्राचलन् ।
   तथाऽनुष्ठिते तैः मार्गं अख्यां कानिचित् अस्थीनि अपश्यन् । ततः एकेन उक्तम्–'अहो अद्य विद्यायाः प्रयोगं कुर्मः । किञ्चिदेतद् सत्वं मृतं तिष्ठति । तद् विद्याप्रभावेण जीवितं कुर्मः । अहमस्थिसञ्चयं करोमि । ततः तेन अस्थिसञ्चयः कृतः । द्वितीयेन चर्ममांसरुधिरं संयोजितम् । तृतीयोऽपि यावज्जीवनं सञ्चारयति तावत्सुबुद्धिना निषिद्धः' भो तिष्ठतु भवान् । एषः सिंहः प्रतीयते । यद्येनं सजीवं करिष्यसि ततः सः सर्वानपि व्यापादयिष्यति ।
   इति श्रुत्वा तेन कथितम् 'धिङ् मूर्ख । नाऽहं विद्यायाः विफलतां करोमि ।' ततः सुबुद्धिः अवदत् 'तर्हि प्रतीक्षस्व क्षणमेकम् यावदहं वृक्षमारोहामि ।' इति कथयित्वा सः वृक्षम् आरोहत् । तदा तृतीयेन ब्राह्मणेन यावत् तस्मिन् प्राणाः सञ्चारिताः तावत् तेन जीवितेन सिंहेन त्रयोऽपि व्यापादिताः । तत्पश्चात् सुबुद्धिः वृक्षादवतीर्थ गृहं गतः । अतः व्यावहारिकं ज्ञानम् अपेक्ष्यते ।
   (i) एकस्मिन् नगरे कति ब्राह्मणपुत्राः अवसन् ?
   (ii) तेषां त्रयः कीदृशा आसन् ?
   (iii) शास्त्रपराङ्मुखस्य नाम किम् आसीत् ?
   (iv) ते कुत्र प्राचलन् धनोपार्जनाय ?
   (v) ते मार्गे किम् अपश्यन् ।
   (vi) जीवितेन सिंहेन के व्यापादिताः ?
   (vii) ब्राह्मणपुत्राणां मध्ये कस्य बुद्धिः व्यावहारिकी आसीत् ।
   (viii) उपयुक्तं शीर्षकं लेखनीयम् ।

5. शैक्षिकभ्रमण का वर्णन करते हुये अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखिए ।

6. नामांकन हेतु अपने प्राचार्य को एक आवेदन–पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–
   अथ स्वतन्त्रे भारते संघे शक्तिः इति मत्वा लोके अधुना यत्र तत्र संघाः अवलोक्यन्ते । क्विचित्कर्मकराणां संघः, क्वचित् वणिजां संघः, क्वचित् व्यवसायिनां, क्वचित् छात्राणां संघाः, क्वचिदध्यापकानां, क्वचित् शिल्पिनां संघः, क्वचित् नापितानाञ्च विद्यन्ते । किम्बहुना अद्य भारते पृथक्–पृथक् सर्वेषाम् वर्गानां संघाः दृश्यन्ते । सर्वे संघा सम्भूय यं कमपि विषयं परामृशन्ति । परामर्शनिन्तरं ते सर्वकारं, मिल स्वामिनः विज्ञापयन्ति, यदेतावादिनाभ्यन्तरे यावदस्माकं वेतनं वर्धताम् नोचेत् सर्वं कार्यजातं स्थगितं निरुद्धं वा भविष्यति । अद्य जनानां दुराग्रहोऽपि सत्याग्रहः । प्रायः प्रतिदिनं कस्यापि संघस्य दुराग्रहः सत्याग्रहो वा प्रारब्धः इति श्रूयतेऽवलोक्यते च । तेन राज्येऽधिकृताः शासकाः अपि महतीं चिन्ताम् आपधन्ते । संघबलेन जनाः कदाचिदुचितं प्रायः अनुचितमेव कार्यं कुर्वन्ति ।

8. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   संस्कृतभाषा देवभाषा, प्रायः सर्वासां भारतीयभाषाणां जननी, प्रादेशिकभाषाणाञ्च प्राणभूता । यथा प्राणी अन्येन जीवति, परन्तु वायुं विना अन्नमपि जीवनं रक्षितुं न शक्नोति, तथैव अस्मद् देशस्य कापि भाषा संस्कृतभाषावलम्बनं बिना जीवितुमक्षमेति । निःसंशयम् अस्यामेव अस्माकं धर्मः, अस्माकमितिहासः, अस्माकं भूतं भविष्यञ्च सर्वं सुसन्निहितम् अस्ति ।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
   (i) एतानि तस्य.....सन्ति । (पुस्तकम्, पुस्तकानि)
   (ii) .....समं न हि किञ्चित् । (ज्ञानेन, ज्ञानस्य)
   (iii) साधवः.....अधिवसन्ति । (तपोवने, तपोवनम्)
   (iv) .....पठितुं वाञ्छामि । (भवतः, भवान्)
   (v) .....रामायणं लिखितवान् । (कः, कस्य)
   (vi) .....सृष्टिः विचित्रा । (ईश्वरस्य, ईश्वरम्)
   (vii) .....निपुणः । (व्याकरणे, व्याकरणम्)
   (viii) .....कुत्र गच्छतः । (बालकाः, बालकौ)
   (ix) .....फलम् पतति । (वृक्षात्, वृक्षम्)
   (x) .....उपहारं ददामि । (भवतीं, भवत्यै)
   (xi) असौ.....वधिरःवर्तते । (कर्णेन, कर्णात्)
   (xii) बालानां.....बलम् । (रोदनम्, रोदनात्)
   (xiii) तस्य पुत्री.....अस्ति । (मेधावी, मेधाविनी)
   (xiv) नह्यम् चत्वारि.....देहि । (फलानि, फलम्)
   (xv) .....विद्यालये त्वं पठसि । (कस्याम्, कस्मिन्)
   (xvi) .....बालिका आगच्छति । (कश्चित्, काचित्)

10. (क) निम्नलिखित पदों के विग्रह कीजिए :–
    नीलाम्बरः, महापुरुषः, पञ्चपात्रम्, गौरीशंकरौ, दण्डादण्डि, करकमलम्, कृष्णसर्पः, रूपवद्भार्यः

    (ख) निम्नलिखित अनेक शब्दों के स्थान पर एक पद लिखिए :–
    (i) सत्यं करोति ।
    (ii) अधीता विद्या येन सः ।
    (iii) दशरथस्य अपत्यं पुमान् ।
    (iv) आत्मनः यशः इच्छति ।
    (v) दुःखम् अनुभवति ।
    (vi) बलं अनतिकृम्य ।
    (vii) पुत्र इव आचरति ।
    (viii) सूर्यश्च चन्द्रमाश्च ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-IX

(वेद तथा उपनिषद)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक आर्यों के जीवन में अग्नि के महत्व पर प्रकाश डालिए ।
2. सूर्य की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) अग्निः पूर्वभिऋषिं भिरीड्यो नूतंनैरुत । स देवाँ एह वंक्षति ।
   (ख) द्यावां चिदस्मै पृथिवी नंमेते । शुष्मांच्चिदस्य पर्वता भयन्ते ।
   यः सोमपा निश्चितो वज्रंबाहर् यो वज्रंहस्तः स जंनास इन्द्र : ।।
4. इन्द्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
5. 'उषा' शब्द का निर्वचन यास्क के अनुसार लिखिए ।
6. शिव–संकल्प–सूक्त का परिचय दीजिए ।
7. शान्ति पाठ से क्या समझते हैं ? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।
8. स्वाध्याय और प्रवचन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।
9. याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी को क्या–क्या उपदेश दिये ।
10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं ***दो*** मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
    (क) इदं सर्वं यदयमात्या ।
    (ख) एवं सर्वषां वेदानां वागेकायनम् ।
    (ग) न प्रेत्य संज्ञाऽस्ति इति अरे ब्रवीमि इति ।
    (घ) आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासि तव्यः ।

ꕥ ꕥ ꕥ

EXAMINATION PROGRAMME-2020
M.A. Sanskrit, Part-II

Date	Papers	Time	Examination Centre
27.01.2021	Paper–IX	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
29.01.2021	Paper–X	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
01.02.2021	Paper–XI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
03.02.2021	Paper–XII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
05.02.2021	Paper–XIII	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
08.02.2021	Paper–XIV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
10.02.2021	Paper–XV	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna
12.02.2021	Paper–XVI	10.30 AM to 1.30 PM	Nalanda Open University, 2nd Floor, Biscomaun Bhawan, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उपजीव्य काव्य के अन्तर्गत आने वाले ग्रंथों का उल्लेख कीजिए ।
2. महर्षि वाल्मीकि का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
3. किष्किन्धाकाण्ड में प्रकृति और उसके मानवीकरण पर प्रकाश डालिए ।
4. गीता के भक्तियोग का विवेचन कीजिए ।
5. स्थितप्रज्ञ के लक्षण लिखिए ।
6. 'योगः कर्मसु कौशलम' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
7. भगवत्प्राप्ति के साधनों का उल्लेख कीजिए ।
8. महाभारत के अन्तर्गत विदुर नीति की विषयवस्तु लिखिए ।
9. संस्कृत के कुछ नीतिपरक ग्रन्थों का उल्लेख कीजिए ।
10. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–
    (क) चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्
    प्रसादयति यों लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति ।
    (ख) तुल्य निन्दास्तुतिमौंनी संतुष्टो येन केनचित्
    अनिकेत स्थिरमतिर्भक्तिमान् मे प्रियो नरः ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पदों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–
   (क) सा पद्मरागं वसनं वसाना पद्मानना पद्मदलायताक्षी ।
   पद्मा क्विपद्मा पतितेव लक्ष्मीः शुशोष पद्मस्रगिवातपेन ।।
   (ख) नेत्रव्रजाः पोरजनस्य तस्मिन् विहाय सर्वान् नृपतीन् निपेतुः ।
   मदोत्कटे रेचित–पुष्पवृक्षाः गन्धद्विपे वन्य इव द्विरेफाः ।।
   (ग) विशङ्कमानो भवतः पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः ।
   दुरोदर–च्छद्म–जितां समीहते नयेन जेतुं जगतीं सुयोधनः ।।
2. निम्न पद्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।
   न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।
   (ख) मनुष्य वाह्यम् चतुरस्रयान मध्यास्य कन्या परिवारशोभि ।
   विवेश मञ्चान्तर–राजभार्गम् पतिंवरा क्लृप्तविवाह वेषा ।।
   (ग) कामं नृपाः सन्तु सहस्रशोऽन्ये राजन्वती–माहुरनेन भूमिभ् ।
   नक्षत्र–तारा–ग्रह–संकुलापि ज्योतिष्मती चन्द्रमसैव रात्रिः ।।
   (घ) सूर्य एवास्ति केन्द्रं समासांभुवाम् इन्दवे सैव दत्ते तथा कौमुदीम्।
   आत्मजोऽहं तदीयोऽस्मिन् दिव्योऽपरः काऽस्ति कीदृग्व्यथामेऽत्र दिव्यात्मनः।।
3. संस्कृत–काव्य रचना के उद्भव का विवेचन कीजिए ।
4. संस्कृत कवियों की राज्याश्रियता का विवेचन कीजिए ।
5. बुद्धचरित और सौन्दरनन्द में बौद्धधर्म की विवृति के कारण काव्य–सौष्ठव प्रभावित हुआ है, आप सहमत हैं ? उत्तर दीजिए ।
6. 'उपमा अश्वघोषस्य' सौन्दरनन्द के पाठ्यांश के आधार पर इस उक्ति की समीक्षा कीजिए ।
7. कालिदास के महाकाव्यों का विवेचन कीजिए ।
8. भारवि के काव्य वैशिष्ट्य की समीक्षा कीजिए ।
9. द्रौपदी द्वारा युधिष्ठर के अनुशासन का विवेचन कीजिए ।
10. 'राधेयोऽस्मि वास्मि पार्थो वा' कविता के वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. संस्कृत साहित्य में बाणभट्ट का स्थान निर्धारित कीजिए ।
2. शुकनासोपदेश के कथानक को संक्षेप में लिखिए ।
3. लक्ष्मी के दोषों के कारणों पर बाण के विचारों का निरूपण कीजिए ।
4. निम्नलिखित संदर्भों की व्याख्या हिन्दी में कीजिए :–
   (क) अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः ।
   (ख) सत तम मूल मंत्र गम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः ।
5. आर्यशूर की काव्य शैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
6. शिबि जातक के आधार पर राजा और अमात्यों के बीच संवाद का निरूपण अपने शब्दों में कीजिए ।
7. निम्नलिखित सन्दर्भों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–
   (क) तस्य बुद्धिरभवत्–अतिसभाग्यास्ते सत्पुरुषविशेष ये विस्त्रम्भ–निर्यन्त्रण–प्रणयमर्थिभिः स्वगात्राण्यपि याचयन्ते । मम पुनः प्रत्याख्यान–रूक्षाक्षर–वचन–सन्तर्जित इवार्थिजनो धनमात्र के प्रगल्भप्रणयः संवृत्त इति ।
   (ख) अहो बतौदार्यमहो कृपालुता, विशुद्धता पश्य यथास्य चेतसः ।
   अहो स्वसौरव्येषु निरुत्सुका मतिः नमोऽस्तु तेऽभयुद्गत–धैर्य विक्रमः ।।
8. मैत्रीबल जातक की विषय वस्तु प्रस्तुत कर इसमें निहित संदेश का निरूपण कीजिए ।
9. अम्बिका दत्त व्यास की गद्यशैली का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
10. सुमनःपुर की विशिष्टताओं का परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक के भेदों पर प्रकाश डालिए ।
2. नायक एवं नायिका को परिभाषित करते हुये उनके भेदों पर प्रकाश डालिए ।
3. नाटक में पंचसंधि, नान्दी पाठ तथा भरत वाक्य पर प्रकाश डालिए ।
4. 'मृच्छकटिकम्' की कथा–वस्तु का विवेचन कीजिए ।
5. 'मृच्छकटिकम्' के प्रथम अंक को 'अलंकारन्यास' नामक अंक क्यों कहा गया है, स्पष्ट कीजिए ।
6. 'मुद्राराक्षस' नाम की सार्थकता सिद्ध करते हुये राक्षस का चरित्रांकन कीजिए ।
7. 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक का सारांश संस्कृत भाषा में लिखिए ।
8. 'उत्तररामचरित' के राम और सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
9. 'अपूर्वः प्रतिशोध' के आधार पर अश्वत्थामा का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
10. संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
    नीडोऽयं महता प्रयासेन निर्मितः किन्तु एतस्मात् सर्वे रखा उपेताः । हा हन्त । कीदृशी ते लीला भगवन् ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब' से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–
   (क) यङश्चाप् (ख) षिद्गौरादिभ्यश्च
   (ग) वोतोगुणवचनाद् (घ) अजा
   (ङ) यूनस्तिः
2. निम्नलिखित पदरूपों में से किन्हीं ***चार*** पदों की सिद्ध सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए :–
   (क) श्वश्रूः (ख) गार्ग्यायणी
   (ग) इन्द्राणी (घ) नर्तकी
   (ङ) नारी
3. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) परेर्मृषः (ख) विभाषाऽकर्मकात्
   (ग) अनुपराभ्यां कृञः (घ) निगरण चलनार्थेश्च
   (ङ) व्याङ्परिभ्यो रमः
4. निम्नलिखित शब्द–युग्मों का अर्थ–भेद बताइए :–
   (क) सूर्या–सूरी (ख) आचार्या–आचार्यानी
   (ग) यवन–यवनानी (घ) अर्या–अर्यी
5. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) पोरदुपधात् (ख) गद–मद–चर–यमश्चानुपसर्गे
   (ग) वदः सुपि क्यप् च (घ) अमावस्यदन्यतरस्याम्
   (ङ) ऋहलोर्ण्यत्
6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पदरूपों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :–
   (क) स्नानीयम् (ख) एधितव्यम्
   (ग) वास्तव्यः (घ) वाक्यम्
   (ङ) लभ्यम्

खण्ड–"ब"

7. आत्मनेपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं ***पाँच*** सूत्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
8. कृत्य प्रत्यय कितने हैं ? उदाहरण सहित सबका उल्लेख कीजिए ।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर टिप्पणी लिखिए :–
   (क) निष्ठा (ख) भाववाचक कृत् प्रत्यय
   (ग) कर्तृवाचक कृत् प्रत्यय (घ) तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः
   (ङ) उणादि
10. स्त्री प्रत्यय कितने हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भरतोत्तर नाट्याचार्यों एवं उनके प्रतिपाद्यों पर प्रकाश डालिए ।
2. प्राक् वराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
3. आयुर्वेद का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
4. व्याकरणात्मक एवं प्रक्रियात्मक व्याकरणों का सार प्रस्तुत कीजिए ।
5. कोश विद्या के क्षेत्र में अमर सिंह के योगदान का उल्लेख कीजिए ।
6. कोश शास्त्रीय इतिहास पर लेख लिखिए ।
7. भारतीय धर्मशास्त्रों की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
8. भाष्य एवं निबन्धशास्त्रों का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
9. बृहत्त्रयी के रचनाकारों के साथ–साथ ग्रंथों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :–
    (क) आर्यभट्ट–प्रथम
    (ख) कात्यायन
    (ग) चरक संहिता
    (घ) सारस्वत सम्प्रदाय

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० संस्कृत, पार्ट-II

पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2020

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :–
   (क) प्रिय नाट्यकारः (ख) काव्यप्रयोजनम् (ग) उपमा कालिदासस्य

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (क) सः पवित्रः गङ्गाजलम् आनयति । (ख) शिवस्य त्रयः नेत्राणि सन्ति ।
   (ग) इदं गौः दुग्धं वाञ्छति । (घ) अहं श्व विद्यालयं गमिष्यामः ।
   (ङ) मधुरं आम्राणि मह्यं रोचते । (च) आलस्येन कार्यहानिः जायते ।
   (छ) छात्रैः रामायणं श्रुता । (ज) पुरा वीरवीरो नाम राजा आसन् ।
   (झ) वृक्षम् पत्राणि पतन्ति । (ञ) रामस्य सह सीता गच्छति ।
   (ट) धनेन ज्ञानं गुरुतरम् । (ठ) भूपतिः सिंहासने अध्यास्ते ।
   (ड) गृहस्य परितः उद्यानानि सन्ति । (ढ) भवान् किं विद्यालयं गच्छसि ।
   (ण) क्षः गुरुवासरः भविष्यति । (त) नीरजः सुलेखः लिखितः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** रेखांकित शब्दों में विभक्ति–निर्देश कीजिए :–
   (क) बालकः सिंहात् बिभोति । (ख) ईश्वराय नमः । (ग) भूपतिः प्रासादम् अधितिष्ठति ।
   (घ) त्वया वेदः पठ्यते । (ङ) केशेषु चमरीं हन्ति ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) कर्तुरीप्सिततमं कर्म (ख) धारेरुत्तमर्णः (ग) पञ्चमी विभक्तेः
   (घ) सप्तम्यधिकरणे च (ङ) इत्थंभूललक्षणे

5. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक लिखिए :–
   अस्माकं भारतवर्षं कृषिप्रधानः देशः अस्ति । अस्मिन् देशे बहुसंख्यकाः जनाः ग्रामेषु निवसन्ति । कृषिः एव तेषां मुख्यं जीविकासाधनम् । कृषिं बिना अन्नस्य उत्पादनं न सम्भवति । अन्नाद् एवं जीवनशक्तिम् (ऊर्जाम्) आधाय प्राणिनः प्राणवन्तः गतिशीलाश्च भवन्ति । अस्माकं प्राचीना कृषिव्यवस्था अतीव उन्नता वैज्ञानिकी च आसीत् । वैदिक जनाः स्वकृषिकार्यार्थं मुख्यतया वृष्टिं आश्रिताः आसन् । पशुपालनवृत्तिः कृषिकार्यार्थम् आवश्यकी वर्तते । अतएव वैदिक–साहित्ये गो–चर्चा आयाति । वैदिक जनाः पृथिवीं स्वमातरं मन्यन्ते स्म ।

6. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (क) उद्योगिनं पुरूषसिंहमुपैति लक्ष्मीः ।
   (ख) सत्यमेव जयते ।
   (ग) विद्या ददाति विनयम् ।

7. द्वन्द्व समाज अथवा कर्मधारय समास की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

8. अधोलिखित में से किन्हीं ***आठ*** पदरूपों की प्रयोगसिद्धि सूत्रनिर्देश पूर्वक कीजिए :–
   (क) चन्द्रशेखरः (ख) कर्मकुशलः (ग) शुक्लाम्बरा (घ) उपगङ्गम्
   (ङ) अनुरूपम् (च) यूपदारू (छ) राजपुरुषः (ज) कुम्भकारः
   (झ) त्रिफला (ञ) सपरिवारः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या सोदाहरण कीजिए :–
   (क) अकः सवर्णे दीर्घः । (ख) एङः पदान्तादति । (ग) झलां जश् झशि ।
   (घ) शश्छोऽटि । (ङ) अतोरोरप्लुतादप्लुते ।

10. (i) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :–
    अमावस्या, निर्यातम्, शाश्वतः, शीतलः, अन्यायः, सजीवः, कृतज्ञः, उत्थानम्

    (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं ***आठ*** शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :–
    लक्ष्मी, कृष्णः, गृहम्, चन्द्रमा, जलम्, पर्वतः, पार्वती, पुष्पम्, घोटकः

ꣿ ꣿ ꣿ